कार्यपत्र-22

1. सही उत्तर के आगे ठीक (✓) का चिह्न लगाइए।

(क) 'कान का कच्चा' मुहावरे का अर्थ बताइए। (ii) बिना सोचे-विचारे किसी पर विश्वास करना ✓

(ख) 'सबके साथ समान व्यवहार करना' अर्थ के लिए उपयुक्त मुहावरा है–

(iii) एक ही लाठी से हाँकना ✓

(ग) 'ऊँची दुकान फीका पकवान' लोकोक्ति का अर्थ है–

(ii) बड़ी प्रसिद्धि वाले प्राय: ओछा आचरण करते हैं ✓

(घ) 'लज्जित होकर दूसरे पर गुस्सा करना' अर्थ के लिए उपयुक्त लोकोक्ति होगी–

(i) खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे ✓

(ङ) 'खोदा पहाड़ निकली चुहिया' लोकोक्ति का अर्थ है– (iv) ज़रूरत से बहुत कम ✓

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) 1. मुहावरों का प्रयोग स्वतंत्र वाक्य के रूप में नहीं किया जा सकता।

2. मुहावरों का शब्दार्थ नहीं लाक्षणिक अर्थ प्रयुक्त होता है।

(ख) मुहावरों का वाक्य में स्वतंत्र रूप प्रयुक्त नहीं होता जबकि लोकोक्ति का स्वतंत्र अस्तित्व होता है। मुहावरों में अंत में क्रिया शब्द लगा होता है परंतु लोकोक्ति में यह आवश्यक नहीं।

3. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखिए।

(क) उड़ती चिड़िया पहचानना	दिल की बात समझ लेना
(ख) हवा से बातें करना	बहुत तेज़ दौड़ना
(ग) कफ़न सिर पर बाँधना	मरने के लिए तैयार रहना
(घ) चिकना घड़ा होना	बेअसर होना
(ङ) नमक-मिर्च लगाना	बढ़ा-चढ़ाकर बात बताना
(च) बहती गंगा में हाथ धोना	अवसर का लाभ उठाना

4. निम्नलिखित लोकोक्तियों के अर्थ लिखिए।

(क) ऊँट के मुँह में जीरा	ज़रूरत से बहुत कम
(ख) आप भला तो जग भला	यदि हम अच्छे हैं तो सब हमारे साथ अच्छा व्यवहार करेंगे
(ग) तेते पाँव पसारिए जेती लाँबी सौर	आय के अनुसार व्यय करना चाहिए
(घ) घर का भेदी लंका ढाए	आपसी फूट के कारण भेद खोलना
(ङ) होनहार बिरवान के होत चिकने पात	होनहार के लक्षण बचपन से ही प्रकट होने लगते हैं
(च) नाच न जाने, आँगन टेढ़ा	काम आता न हो और दूसरों में दोष निकालना

5. दिए गए अर्थों के सामने उनके उचित मुहावरे लिखिए।

(क) अधिक लाभ होना	पाँचों उँगलियाँ घी में होना
(ख) काम बिगाड़ देना	गुड़-गोबर कर देना

(ग) कठोर परिश्रम करना — खून-पसीना एक करना

(घ) स्वार्थ सिद्ध करना — अपना उल्लू सीधा करना

(ङ) अभिमान से भरा होना — धरती पर पाँव न पड़ना

(च) भारी संकट में पड़ना — छठी का दूध याद आना

6. दिए गए अर्थों के सामने उनकी उचित लोकोक्तियाँ लिखिए।

(क) वस्तु थोड़ी और चाहने वाले अधिक — एक अनार सौ बीमार

(ख) गुलामी में कभी चैन नहीं — पराधीन सपने हुँ सुख नाहीं

(ग) किसी भी हालत में खर्च न करना — चमड़ी जाए पर दमड़ी न जाए

(घ) बुरे की संगति से बुराई ही मिलती है — कोयले की दलाली में हाथ काले

(ङ) सच्चे को किसका डर — साँच को आँच नहीं

(च) गलती अपनी और धमकाना दूसरों को — उलटा चोर कोतवाल को डाँटे

7. निम्नलिखित मुहावरों से वाक्य बनाइए।

(क) अक्ल पर पत्थर पड़ना — अज्ञानता से काम लेना

काव्या पर भरोसा मत करना। उसकी अक्ल पर पत्थर पड़े हैं।

(ख) घुटने टेकना — हार मान लेना

युद्ध के मैदान में दुश्मनों ने भारतीय सेना के आगे घुटने टेक दिए।

(ग) जान हथेली पर रखना — जीवन को खतरे में डालना

रमेश ने नदी में डूबते बच्चे को जान हथेली पर रखकर बचा ही लिया।

(घ) हक्का-बक्का रह जाना — आश्चर्यचकित हो जाना

जादूगर की जादूगरी देखकर दर्शक हक्का-बक्का रह गए।